जयपुर
महानगर टाइम्स
epaper.mahanagartimes.com
29 Dec 2024 - Page 12

यादों के झरोखे से : झालाना स्थित विकास अध्ययन संस्थान के स्टाफ मेंबर्स की आंखें हुईं नम

आईडीएस जयपुर की यादों में हमेशा जिंदा रहेंगे पूर्व पीएम मनमोहन सिंह

परिसर में 20 साल पहले लगाया पौधा आज विशाल पेड़ बन कर रहा प्रेरित

मनीष कुमार शर्मा

जयपुर। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने दुनिया को अलविदा कह दिया, लेकिन उनकी यादों को जयपुर का विकास अध्ययन संस्थान (आईडीएस) हमेशा संजोए रखेगा। संस्थान से डॉ. मनमोहन सिंह का गहरा रिश्ता रहा है, जिसे बयां करते हुए यहां कार्यरत स्टाफ मेंबर्स की आंखें नम हो गईं।

दरअसल डॉ. मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री बनने से पहले जयपुर के झालाना स्थित विकास अध्ययन संस्थान (इंस्टीट्यूट ऑफ डवलपमेंट स्टडीज) के गवर्निंग बॉर्ड के दो साल अध्यक्ष रहे हैं। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का चैंबर और उसमें रखी टेबल-कुर्सियां उनकी यादों को समेटे हुए गुमसुम-सी दिखाई पड़ती हैं। उनके चैंबर के दरवाजे पर आज भी उनकी नेमप्लेट लगी हुई है, जिस पर उनका पूरा नाम डॉ. मनमोहन सिंह और उनके कार्यकाल का समय 22-11-2002 से 14-06-2004 लिखा हुआ है। चैंबर में ठीक उनकी सीट के पीछे वाली दीवार पर सरल स्वभाव वाली हल्की मुस्कान लिए उनकी तस्वीर लगी हुई है। ये बताती है कि उनका जयपुर से खास रिश्ता रहा है।

गवर्निंग बोर्ड की मीटिंग में हमेशा रहते थे उपस्थित

संस्थान में कार्यरत अर्थशास्त्र विशेषज्ञ डॉ. मोतीलाल महामल्लिक नम आंखों से पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को याद करते हुए बताते हैं कि यह चैंबर पिछले 20 सालों से किसी अन्य व्यक्ति को अलॉट नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि संस्थान के निदेशक डॉ. चिंतन कुमार कछुटिया के मार्गदर्शन के बाद यह चैंबर हमेशा के लिए पूर्व पीएम को ही समर्पित कर दिया गया है। इसमें उनसे जुड़ी पुस्तकों और तस्वीरों को यहां संजोकर रखा गया है। डॉ. महामल्लिक ने बताया कि दो साल में जब भी गवर्निंग बोर्ड की मीटिंग यहां होती तो वे इसमें जरूर उपस्थित रहते। डॉ. मनमोहन सिंह संस्थान के गवर्निंग बोर्ड के पांचवें चेयरमैन थे, उनसे पहले विजयशंकर व्यास इस पद पर रहे। संस्थान आज भी डॉ. सिंह के आर्थिक सुधारों के विचारों को आगे बढ़ाने की दिशा में काम करते हुए ऐसे शिक्षित लोगों को मेन स्ट्रीम में लाने के लिए प्रयासरत है, जो पिछड़े हुए हैं।

सादगी और आत्मीयता से मिले

डॉ. सिंह के चेयरमैन रहने के दौरान संस्थान में कार्यरत जीजी सजन ने बताया कि एक बार बोर्ड मीटिंग में उन्हें प्रजेंटेशन का मौका मिला था तो उन्होंने देखा कि मनमोहन सिंह बड़ी सादगी और आत्मीयता से सभी से मिल रहे थे। सजन ने बताया कि वे पद देखकर बात नहीं करते थे, बल्कि सभी से समान भाव से रहते। वे ऑफिस के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी से भी उतनी ही आत्मीयता से बात करते दिखाई दिए, जितनी एक अधिकारी से अपनी बात साझ कर रहे थे। उनके बात करने के अंदाज को देखकर ये लगा कि डॉ. सिंह कभी सामने वाले व्यक्ति को यह अहसास नहीं होने देते कि वह अन्य किसी व्यक्ति से कम है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए किया प्रेरित

पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह ने पर्यावरण संरक्षण को भी खास महत्व दिया। इसी के चलते उन्होंने संस्थान परिसर में मौलश्री का पौधा लगाया था, जो आज 20 साल बाद विशाल पेड़ बन चुका है। आज यह पेड़ उनके जाने के बाद अन्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधरोपण करने के लिए प्रेरित कर रहा है। स्टाफ ने बताया कि जब भी डॉ. सिंह संस्थान में आते तो यहां लगे हुए पौधों को जरूर देखते और उनकी पर्याप्त देखरेख करने के लिए प्रोत्साहित भी करते थे।

पीएम बनने तक जयपुर स्थित आईडीएस के चेयरमैन रहे मनमोहन सिंह, यहां आए तो बोले... मैं संस्थान में ही तैयार हो जाऊंगा, होटल पर खर्चा मत करना

22 साल पहले आवंटित कमरा डॉ. सिंह को समर्पित, लगी है नेम प्लेट

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. प्रधानमंत्री बनने के कुछ दिन बाद तक डॉ. मनमोहन सिंह जयपुर स्थित विकास अध्ययन संस्थान (आईडीएस) के चेयरमैन रहे। वे 22 नवम्बर 2002 से 14 जून 2004 तक इस पद पर रहे। उस समय चेयरमैन को आवंटित कमरे को पिछले साल नेमप्लेट लगाकर उन्हें समर्पित कर दिया गया।

संस्थान ने डॉ. सिंह के नाम पर चेयर स्थापित करने के लिए यह प्रक्रिया शुरू की है। डॉ. सिंह का आईडीएस से काफी जुड़ाव रहा है। अर्थशास्त्री और संस्थान के तत्कालीन निदेशक डॉ. शब्द स्वरूप आचार्य ने बताया कि सिंह के समय संस्थान ने आर्थिक नीति, जल नीति और कमजोर वर्ग के कल्याण के लिए समावेशी नीति पर काम हुआ। चेयरमैन रहते एक बार वे जयपुर आए। वे सुबह 6-7 बजे जयपुर पहुंच गए और मीटिंग सुबह 9-10 बजे होनी थे, तब उन्होंने स्पष्ट कह दिया था कि मेरे लिए होटल का खर्चा मत करना, संस्थान में ही तैयार हो जाऊंगा। उन्होंने यह भी हिदायत दी थी कि बैठक के समय प्रेस और पॉलिटिशियन नहीं आएं, लेकिन तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को सिंह के जयपुर आने की जानकारी मिली तो मिलने की इच्छा जताई। इस पर आचार्य ने सिंह को सुझाव दिया कि क्यों न राजस्थान सरकार द्वारा 10-15 वर्षों में आईडीएस के लिए दिए सहयोग और कार्य का पॉलिसीमेकर्स की मौजूदगी प्रजेंटेशन दिया जाए। उनकी सहमति से तत्कालीन सीएम गहलोत व एक मंत्री को बुलाया। दोपहर के 2-3 बजे गए थे और उसी बीच तत्कालीन पीएम अटल बिहारी वाजपेयी ने सिंह को किसी मुद्दे पर चर्चा के लिए शाम पांच बजे दिल्ली बुलाया। इस पर गहलोत ने राजकीय विमान से उनके दिल्ली पहुंचने की व्यवस्था की।

दिया सम्मान...

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को सम्मान, उनके नाम पर राजधानी में चेयर स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इससे आईडीएस में शोध के कार्यों में तेजी आएगी। ***वह कमरा जो डॉ. सिंह को समर्पित***

कांग्रेस ने 2 जनवरी तक सभी कार्यक्रम किए रद्द

पूर्व प्रधानमंत्री के निधन के चलते प्रदेश कांग्रेस ने सात दिन तक विरोध प्रदर्शन, धरने सहित सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। पार्टी का झंडा भी आधा झुका रहेगा। 28 दिसंबर को कांग्रेस स्थापना दिवस पर होने वाले कार्यक्रम भी रद्द रहेंगे। प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि 3 जनवरी से पार्टी के कार्यक्रम शुरू होंगे।